

2012

वाणिज्य एवं कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

तृतीय प्रश्न-पत्र

COMMERCE & THE BASIC KNOWLEDGE OF COMPUTER
SCIENCE

Third Paper

निर्धारित समय : तीन घण्टे]

[पूर्णांक : 100

Time allowed : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

- नोट :
- (i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड 'अ', 'ब' तथा 'स' हैं। प्रत्येक खण्ड में चार प्रश्न हैं। किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न अवश्य होने चाहिये।
 - (ii) प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक उसके अन्त में अंकित हैं।
 - (iii) एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यतः एक साथ दिया जाये।

- Notes :
- (i) This question paper has **three** sections 'A', 'B' and 'C'. Every section has **four** questions, attempt any **six** questions. At least **two** questions should be from every section.
 - (ii) The maximum marks of every question is mentioned at the end of the question.
 - (iii) The part of same question must be answered together.

खण्ड – अ / SECTION – A

1. (अ) लेखांकन के उद्देश्यों का वर्णन कीजिये। 6
- (ब) पूँजीगत तथा आयगत व्ययों के मध्य अन्तर कीजिये। $5\frac{1}{2}$
- (स) निम्नलिखित को समझाइये : 6
- (i) उपार्जन अवधारणा
 - (ii) रूढ़िवादिता की परिपाटी
 - (iii) लेखांकन मानक
- (a) State the objectives of Accounting.
- (b) Distinguish between Capital and Revenue Expenditures.
- (c) Explain the following :
- (i) Accrual Concept.
 - (ii) Convention of Conservatism.
 - (iii) Accounting Standards

2. (अ) अ, ब तथा स एक फर्म में साझेदार थे जो लाभ-हानि को क्रमशः 3 : 2 : 1 के अनुपात में विभाजित कर रहे थे । 31 मार्च, 2012 को उनकी फर्म का आर्थिक चिह्न निम्नांकित था :

10

अ ब स फर्म का आर्थिक चिह्न 31 मार्च 2012 को

दायित्व	₹	सम्पत्तियाँ		₹
पूँजी खाते :		भवन		50,000
अ 60,000		मशीनरी		40,000
ब 40,000	1,00,000	स्टॉक		40,000
चालू खाते :		देनदार	30,000	
अ 9,000		घटाया : अप्राप्त		
ब 3,000	12,000	ऋण हेतु प्रावधान (-)	2,000	28,000
लेनदार	50,000	स का पूँजी खाता		10,000
बैंक अधिविकर्ष	20,000	लाभ-हानि खाता		30,000
देय विपत्र	18,000	रोकड़		2,000
	2,00,000			2,00,000

1 अप्रैल, 2012 को स दिवालिया हो गया तथा फर्म को विघटित कर दिया गया । भवन एवं मशीनरी को क्रमशः ₹ 60,000 तथा ₹ 25,000 में बेचा गया जबकि देनदारों एवं स्टॉक से क्रमशः ₹ 20,000 तथा ₹ 27,000 वसूल हुये । वसूली पर ₹ 3000 व्यय हुये । लेनदार पूर्ण भुगतान के रूप में ₹ 45,000 लेने के लिये सहमत हुये । गार्नर बनाम मरे का नियम लागू करते हुये फर्म की पुस्तकों में वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा रोकड़ खाता तैयार कीजिये ।

- (ब) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :

4

- (i) चालू सम्पत्तियाँ
(ii) मूल्य हास के कारण

- (स) अदत्त व्ययों को परिभाषित कीजिये तथा उनका लेखांकन समायोजन समझाइये ।

3½

- (a) A, B and C were partners in a firm who were sharing profits and losses in the ratio of 3 : 2 : 1 respectively. Following was the Balance Sheet of their firm as on 31st March, 2012.

Balance Sheet of A B C Firm as on 31st March, 2012

Liabilities	₹	Assets		₹
Capital Accounts :		Buildings		50,000
A 60,000		Machinery		40,000
B 40,000	1,00,000	Stock		40,000
Current Accounts :		Debtors	30,000	
A 9,000		Less : Provision for		
B 3,000	12,000	Bad Debts (-)	2,000	28,000
Creditors	50,000	Capital Account of C		10,000
Bank Overdraft	20,000	Profit & Loss Account		30,000
Bills Payable	18,000	Cash		2,000
	2,00,000			2,00,000

On 1st April, 2012 C became insolvent and the firm was dissolved. Buildings and Machinery were sold for ₹ 60,000 and ₹ 25,000 respectively, while Debtors and Stock realised ₹ 20,000 and ₹ 27,000 respectively. ₹ 3,000 were spent on realisation. Creditors agreed to accept ₹ 45,000 in full settlement.

Prepare Realisation Account, Partners' Capital Account and Cash Account in the books of the firm by applying the Rule of Garner V. Murray.

